शेख हसीना ने बांग्लादेश सरकार से पासपोर्ट मांगा

नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान मांगकर शेख हसीना ने बांग्लादेश की नागरिकता के बुनियादी अधिकार पर दावा किया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से वहां की बीएनपी सरकार से पासपोर्ट जारी करने का अनुरोध और ढाका की तीखी अस्वीकृति ने न केवल उनकी संभावित वापसी को लेकर गतिरोध बढ़ा दिया है, बल्कि भारत-बांग्लादेश के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में एक नया विवाद भी जोड़ दिया है।

- **ढाका ने शेख हसीना की यह मांग साफ-साफ ठुकरा दी, क्योंकि सरकार नहीं चाहती कि उनकी वापसी वैध दस्तावेजों पर हो।**
- **शेख हसीना की मांग को दिसंबर में उनकी स्वदेश वापसी की घोषणा से जोड़ कर देखा जा रहा है।**
- **असल में अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुई हिंसा के बाद, जब वे भारत आ गई थीं, तब बांग्लादेश सरकार ने उनका पासपोर्ट व राष्ट्रीय पहचान पत्र रद्द कर दिया था।**

नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगकर हसीना ने नागरिकता के एक बुनियादी अधिकार का दावा किया है, साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के प्रति बांग्लादेश की जिम्मेदारी का भी हवाला दिया है। दूसरी ओर, ढाका ने उनकी मांग को सख्ती से खारिज कर दिया है। इससे हसीना को एक दोषी भगोड़े के रूप में पेश करने का उसका रुख और मजबूत हुआ है। बांग्लादेश सरकार नहीं चाहती कि उचित यात्रा दस्तावेजों के साथ उनकी वापसी से उन्हें राजनीतिक प्रतीकात्मकता का कोई लाभ मिले।

नवंबर 2026 की शुरुआत में बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री के वकीलों ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने का औपचारिक अनुरोध किया। लंदन स्थित "मैट्रिक्स चैंबर्स" के माध्यम से भेजे गए इस अनुरोध को दिसंबर में बांग्लादेश लौटकर अदालतों का सामना करने की हसीना की घोषित योजना से जोड़कर पेश किया गया। वर्ष 2024 में हुई कार्रवाई के सिलसिले में, मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी। इसके बावजूद वे कई बार स्वदेश लौटने की अपनी मंशा जाहिर कर चुकी हैं।

अगस्त 2024 में भारत आने के बाद हसीना का पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र रद्द कर दिया गया था। बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने उनके आवेदन को नाटक और पूरी तरह हास्यास्पद बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि देश "आतंकवादियों" या भगोड़े अपराधियों को पासपोर्ट जारी नहीं करता। ढाका का कहना है कि हसीना की वापसी का एकमात्र वैध रास्ता भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के तहत उनका प्रत्यर्पण ही है। इसके बाद उन्हें आत्मसमर्पण कर अपनी सजा भुगतनी होगी। बांग्लादेश के अधिकारी उनके प्रत्यर्पण के लिए नई दिल्ली को पहले ही औपचारिक अनुरोध भेज चुके हैं।

भारत ने बार-बार कहा है कि बांग्लादेश के अनुरोधों की जांच द्विपक्षीय संधि के तहत स्थापित कानूनी और न्यायिक प्रक्रियाओं के अनुसार की जा रही है। इस संधि में राजनीतिक अपराधों और ऐसे मामलों के लिए अपवाद का प्रावधान है, जिनमें कार्रवाई अन्यायपूर्ण या दमनकारी हो सकती है। मौत की सजा और मुकदमे की अत्यधिक राजनीतिक प्रकृति के कारण इस मामले में महत्वपूर्ण कानूनी और कूटनीतिक अड़चनें हैं। इसलिए नई दिल्ली की ओर से हसीना के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जल्द शुरू किए जाने की संभावना कम दिखाई देती है।

नया पासपोर्ट मांगकर हसीना ने अपनी वापसी की शर्तें तय करने की कोशिश की है। हालांकि, ढाका में उनके आलोचक इस पूरे विवाद को नागरिक अधिकारों का दावा पेश करने और सीधे प्रत्यर्पण के जरिए वापसी से बचने की कोशिश के रूप में देखते हैं।

बांग्लादेश में चीन की सक्रिय भागीदारी लगातार बनी हुई है। ऐसे में हसीना से जुड़ा विवाद भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों को और जटिल बनाता दिखाई दे रहा है। व्यापार, संपर्क और सीमा प्रबंधन जैसे साझा हित दोनों देशों को आपसी संबंधों में संतुलन एवं सह-अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। लेकिन हसीना का मुद्दा लगातार तनाव का कारण बना हुआ है, जिससे दोनों देशों को सावधानीपूर्वक निपटना होगा।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी, 10 नवंबर। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट पर्व पर विधिवत पूजा अर्चना के साथ 12:05 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके बाद मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन पड़ाव मुखीमठ (मुखबा) के लिए रवाना हुई।

डोली बुधवार सुबह मुखबा पहुंचेगी, जहां अब श्रद्धालु आगामी छह माह तक मुखीमठ (मुखबा) में ही मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे। मंगलवार को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की तैयारी सुबह 09 बजे से शुरू हुई। सर्व प्रथम उदय बेला पर मां गंगा के मुकुट को उतारा गया।

- **अब श्रद्धालु आगामी छह माह तक मुखीमठ (मुखबा) में ही मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे।**

इस बीच श्रद्धालुओं ने मां की भोग मूर्ति के दर्शन किए। इसके बाद अमृत बेला, स्वाति नक्षत्र प्रीतियोग शुभ लग्न पर ठीक 12:05 पर गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद किए गए। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने विशेष पूजा व गंगा लहरी का पाठ किया।

पहला बच्चा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूरी कोशिश करने के बावजूद, वे बच्चे जैसी हरकतें करती हैं। राजीव ने उन्हें भरोसा दिलाया कि इंदिरा ने यह बात प्यार से कही थी, लेकिन उनकी यह बात सोनिया के गले नहीं उतरी।

वैशाली में चाकू की नोक पर ज्वैलरी शोरूम में 59 लाख रूपए की लूट

बदमाश शोरूम के चौकीदार व महिला कर्मचारी को बंधक बना कर सात डायमंड हार व अगूँठियाँ ले भागा

- **पुलिस के अनुसार, वैशाली मार्ग स्थित सीरियस ज्वैलर्स में लूट की यह घटना हुई। आरोपी बिना नंबर की स्कूटी से आया था, पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है।**

जयपुर, 10 नवम्बर। वैशाली नगर थाना इलाके में मंगलवार सुबह दिन-दहाड़े एक बदमाश ज्वेलरी शोरूम में लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, वैशाली मार्ग स्थित सीरियस ज्वैलर्स में कस्टमर बनकर पहुंचे बदमाश ने चाकू की नोक पर सिक्योरिटी गार्ड और महिला कर्मचारी को बंधक बना लिया। इसके बाद लाखों रुपए के हीरे के जेवर बैग में भरकर फरार हो गया। वारदात में करीब 59 लाख रुपए के जेवर लूटे जाने की बात सामने आई है। पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

शोरूम मालिक सार्थक शर्मा ने बताया कि बदमाश डायमंड के 7 हार और डायमंड की 31 अंगूठियां ले गया है। एक हार की कीमत करीब 4 लाख रुपए और एक अंगूठी की कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई गई है। इस हिसाब से लूटे गए जेवर की कुल कीमत करीब 59 लाख रुपए है। डीसीपी पश्चिम के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे बदमाश ग्राहक बनकर शोरूम पहुंचा। सिक्योरिटी गार्ड महावीर गुप्ता ने उसे सामान्य ग्राहक समझकर अंदर प्रवेश दे दिया। शोरूम में बदमाश ने महिला कर्मचारी अंजलि को धमकाना शुरू कर दिया। जब गार्ड बीच-बचाव करने पहुंचा तो बदमाश ने उसे भी पकड़ लिया और चाकू निकालकर धमकाया। इसके बाद चाकू की नोंक पर महिला कर्मचारी से जेवर निकालने को कहा। बदमाश ने शोरूम से डायमंड के हार और अंगूठियां बैग में भरीं और फरार हो गया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (डीसीपी पश्चिम) राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वारदात वैशाली मार्ग स्थित सीरियस ज्वैलर्स में हुई है। आरोपी बिना नंबर की स्कूटी से आया था। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में नाकाबंदी कराई। आरोपी की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं।

'क्या महत्वांकाक्षी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि 2010 में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी और पी. चिदंबरम के बीच गंभीर मतभेद हो गए थे। इसी दौरान प्रणब मुखर्जी ने उनसे बातचीत में यह संकेत दिया था कि शायद अब शीर्ष नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है। सोनिया गांधी ने इसे प्रधानमंत्री बनने की उनकी पुरानी इच्छा के रूप में समझा। शर्मिष्ठा ने अपने पिता के हवाले से कहा, हर काबिल राजनेता के मन में ऐसी महत्वाकांक्षा होती है।उन्होंने सवाल किया कि जब किसी व्यक्ति के पास राजनीति और शासन का लंबा अनुभव हो, तो प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखना अपराध कैसे हो सकता है?

ईरान को हमने कुचल दिया, युद्ध समाप्त होगा- ट्रंप

कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद ट्रंप ने वाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में यह घोषणा की

वॉशिंगटन, 10 नवंबर। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध अब खत्म हो गया है। इसकी जानकारी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दी है। ट्रंप ने हाल ही में कतर के प्रधानमंत्री मुलाकात की थी। उसके बाद उन्होंने वाइट हाउस में ब्रीफिंग की। ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ लड़ाई सैन्य रूप से लगभग खत्म हो चुकी है।

ट्रंप ने कहा, "सैन्य रूप से ईरान लगभग खत्म हो चुका है। हम बस मौजूदा स्थिति बनाए रख रहे हैं। मैं किसी बात की गारंटी तो नहीं देता, लेकिन अगर हमें फिर से कार्रवाई करनी पड़ी तो हम पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल किसी सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं लगती। पूरा मध्य पूर्व अब यूरेनियम से जुड़े खतरों से सुरक्षित है और ऐसा लग रहा है कि यह संघर्ष खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्द खत्म हो जाएगा।

ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान की ताकत को पूरी तरह कुचल दिया गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को हमेशा के लिए बेअसर करने का कोई दीर्घकालिक समाधान निकाला जाए। ईरान की निर्माण क्षमता कम हो गई है। यह लगभग 85 प्रतिशत खत्म हो चुकी है।

- **अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि पूरा मध्यपूर्व अब यूरेनियम से जुड़े खतरों से सुरक्षित है और ऐसा लग रहा है यह संघर्ष खत्म होने की ओर बढ़ रहा है।**

वे हमसे बात कर रहे हैं और बहुत विनम्रता से बात कर रहे हैं। देखते हैं, आगे क्या होता है, लेकिन पूरी संभावना है कि यह मामला खत्म हो सकता है।

सैन्य कार्रवाई पूरी होने के बाद अमेरिकी लोग और दुनिया भर के लोग पिछले कई सालों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित होंगे, क्योंकि ईरान बहुत से लोगों की जान ले रहा था। अगर हमें फिर से कार्रवाई करनी पड़ी तो हम पूरी तरह तैयार हैं और एक्शन के लिए मुस्तैद हैं।"

अबू धाबी में रूस-यूक्रेन वार्ता पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि यूक्रेन और रूस लड़ते-लड़ते थक चुके हैं। मैं उन्हें एक साथ लाने में कामयाब रहा हूं और अभी हमारी बातचीत चल रही है। बैठकें ठीक चल रही हैं और हम इसे सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं कि इससे एक देश के तौर पर हम पर कोई असर पड़ता है बल्कि इसलिए, क्योंकि यह मुझे प्रभावित करता है। हर महीने 25,000 लोग मारे जा रहे हैं।

गोवर्धन परिक्रमाः हजारों विदेशी भक्तों ने उठाई अन्नकूट की छबरिया

गोवर्धन (मथुरा), 10 नवंबर। द्वापरयुग की परंपरा मंगलवार को एक बार फिर गोवर्धन की तलहटी में जीवंत हो उठी।

भारतीयों के साथ, भारतीय परिधानों में सजे विदेशी श्रद्धालु सिर पर अन्नकूट प्रसाद की छबरियाँ रखकर गिरिराजजी की पूजा-अर्चना करने पहुंचे तो गोवर्धन में मिनी विश्व का नजारा दिखाई दिया। अलग-अलग देशों और संस्कृतियों से आए श्रद्धालु भारतीय संस्कृति में रंगे नजर आए।

कोई सिर पर छबरिया लेकर सात कोस के स्वामी का गुणगान कर रहा था तो कोई भजनों की धुन पर झूमते हुए गिरिराजजी की परिक्रमा लगा रहा था। मानो समूचा विश्व गिरिराज महाराज की भक्ति के रंग में सराबोर हो गया हो।

आईआईटी दिल्ली सबसे प्रदूषित क्षेत्र, एक्यूआई 388 पहुंची

राजधानी में आम लोगों को सांस लेने में भारी तकलीफ और आंखों में जलन का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली, 10 नवंबर। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां के कई इलाकों में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अत्यंत गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। सुबह से ही आसमान में छाई धुंध के कारण न सिर्फ दृश्यता घटी है, बल्कि आम लोगों को सांस लेने में भारी तकलीफ और आंखों में जलन का सामना करना पड़ रहा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में वायु गुणवत्ता रेड जोन (गंभीर श्रेणी) में पहुंच गई है। इनमें आईआईटी दिल्ली का एक्यूआई 388 (दिल्ली का सबसे प्रदूषित क्षेत्र), चांदनी चौक का एक्यूआई 380, आया नगर का 361, बुराड़ी क्रॉसिंग का 349, सिरीफोर्ट और पंजाबी बाग का क्रमशः 343-343, आरकेपुरम का 338, गुरुग्राम का 323, मुंडका का 318, बदरपुर का 307, शादीपुर का 306, वजीरपुर का 304, आईजीआई एयरपोर्ट (टर्मिनल-3) और जहांगीरपुरी का क्रमशः 303-303 शामिल है। इसके अलावा, विवेक विहार का 299, सोनिया विहार का एक्यूआई 283 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में है।

- **केन्द्रीय प्रदूषण निवारण बोर्ड के अनुसार एक्यूआई चांदनी चौक में 380, बुराड़ी क्रॉसिंग पर 349। सिटी कोर्ट व पंजाबी बाग में 343, बल्लभगढ़ में 340, गुरुग्राम 393, हिसार 316 और नोएडा 301 रहा।**

प्रदूषण की मार केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि पड़ोसी शहरों (एनसीआर) में भी हवा अत्यधिक जहरीली है। इनमें बल्लभगढ़ का एक्यूआई 340, गुरुग्राम का 323, हिसार का 316, नोएडा का 301, गाजियाबाद का 244 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 233 शामिल है। वहीं, हमेशा से दिल्ली के सबसे प्रदूषित इलाकों में शामिल रहने वाले आनंद विहार में एक्यूआई 300 दर्ज किया गया है।

ट्रंप के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन (अमेरिका), 10 नवंबर। संयुक्त राज्य अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भारी दबाव में आ गया है। ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन के सांसद थॉमस मैसी ने रक्षामंत्री (रक्षा सचिव/ बदला पद नाम युद्धमंत्री) पीट हेगसेथ को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव पेश किया है।

इस कदम से सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है। अब पार्टी के सांसदों को तय करना होगा कि वे ट्रंप प्रशासन के प्रमुख मंत्री का समर्थन करते हैं या उनके खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (निचला सदन, यानी यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में इस प्रस्ताव पर बुधवार तक मतदान हो सकता है।

अमेरिकी न्यूज वेबसाइट "एक्सिओस" की रिपोर्ट के अनुसार, थॉमस मैसी ने महाभियोग प्रस्ताव में पीट हेगसेथ पर ईरान युद्ध को संभालने के उनके तरीके और अन्य कथित कदाचारों को लेकर सवाल उठाया गया है। इस पर होने वाला मतदान ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान किसी कैबिनेट सचिव के खिलाफ पहला महाभियोग हो सकता है। साथ ही, यह इस बात का संकेत भी है कि अगले साल जब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होगा, तो और कुछ देखने को भी मिल सकता है।

एलएलबी के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने प्रस्ताव पर फिर से विचार करने या उसे वापस लेने के लिए तैयार है। इस आयु सीमा को चुनौती देते हुए ऋषभ दुग्गल ने अदालत में याचिका दायर की थी।

सुनवाई के दौरान बीसीआई की वकील ने कहा कि उन्हें इस मामले का फैसला सुप्रीम कोर्ट पर छोड़ने के निर्देश मिले हैं। साथ ही, उन्होंने आयु सीमा तय करने के पीछे का कारण भी बताया। बीसीआई के अनुसार, पांच साल के इंटिग्रेटेड लॉ कोर्स के लिए अधिकतम आयु सीमा इसलिए तय की गई थी, क्योंकि ऐसे अधिकतर कोर्स रैज़िडेंशियल होते हैं और आमतौर पर कम उम्र के विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्यामा की और दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ म, विधायक बहादुर सिंह कोली, शैलेश सिंह सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

'मैंने राजीव से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नई जिम्मेदारी को उत्साह के साथ संभाला। उन्होंने ग्रामीण अमेठी में बिज़नैस और इंडस्ट्रीज़ लाने का काम बड़े जोश के साथ शुरू किया, जैसा कि राजीव गांधी ने किया था।

सोनिया गांधी लिखती हैं कि प्रियंका ने खुद को एक "कुशल प्रबंधक" साबित किया। उन्होंने अमेठी में स्वयं सहायता समूह (सैल्फ हैल्प ग्रुप) शुरू किए और महिलाओं को एक-दूसरे का सहयोग करने तथा बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। गांधी लिखती हैं, "इन समूहों की शुरुआत छोटे स्तर पर हुई थी, लेकिन ये उम्मीदों से भरे थे। राहुल की भागीदारी से अमेठी के स्वयं सहायता समूह उत्तर भारत के सबसे बड़े समूह बन गए। उन्होंने एक बहुत ज़रूरी आई हॉस्पिटल भी बनवाया, बाद में जिसकी ब्रांच लखनऊ और हरियाणा तक फैल गईं।"

अपनी देवरानी मेनका के साथ मतभेदों पर खुलकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

झगड़े भी धीरे-धीरे उनके कमरे की चारदीवारी से बाहर आने लगे। दोनों के बीच तीखी बहस होती, वे तेज आवाजों में बात करते थे।

सोनिया के अनुसार, नाराज़ होने पर मेनका गाली-गलौज तक करने लगती थीं, यहां तक कि अपनी सास की मौजूदगी में भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती थीं, जिन्हें घर में बोलना सख्त मना था। इससे संजय शर्मिंदा हो जाते थे और हम सब भी हैरान रह जाते थे। सोनिया लिखती हैं कि सबसे बात करने वाली और खुले विचारों वाली किसी युवा लड़की के लिए संयुक्त परिवार में रहना आसान नहीं रहा होगा।

मेनका को गांधी परिवार का घरेलू माहौल नीरस और अनुशासित लगने लगा होगा, क्योंकि वहां हर कोई किसी न किसी काम में व्यस्त रहता था। सोनिया के मुताबिक मेनका तभी शांत हुईं, जब वे संजय गांधी के साथ राजनीतिक कार्यक्रमों और आयोजनों में जाने लगीं।

लेकिन संजय पर मेनका का प्रभाव उनके भाई राजीव के साथ उनके रिश्तों में भी दखल देने लगा। सोनिया के अनुसार, दोनों भाइयों में पहले जो अटूट रिश्ता था, वह कटु हो गया।

मार्च 1977 में आपातकाल समाप्त होने के तुरंत बाद कांग्रेस को चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी और संजय गांधी दोनों अपनी-अपनी सीटों, रायबरेली और अमेठी से चुनाव हार गए।

संजय का नाम आपातकाल का पर्यायवाची बन गया था। वे विभिन्न इंटरव्यूज में नौकरशाही की धीमी कार्यप्रणाली पर बात करने लगे थे। उन्होंने ऐसे विचार भी व्यक्त किए, जिन्हें प्रधानमंत्री की आलोचना के रूप में देखा जा सकता था।

संजय की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को कांग्रेस के कुछ ऐसे धड़ों का समर्थन मिलने लगा, जिन्हें इंदिरा गांधी पसंद नहीं करती थीं। सोनिया लिखती हैं कि इंदिरा गांधी को लगता था कि मेनका संजय को समझाने के बजाय उनको भड़का रही हैं।

सोनिया के मुताबिक, इंदिरा गांधी ने कैबिनेट सचिव पी.एन. धर से अपनी युवा बहू के बारे में कहा था, "उसके अभी से पर निकलने लगे हैं।"

1977 के चुनावों के नतीजों के बाद परिवार के प्रति मेनका की नाराजगी और बढ़ गई, क्योंकि राजीव को लगता था कि संजय की ज़िद, जल्दबाजी, बिना सोचे-समझे बनाई गईं योजनाओं को लागू करने की जल्दी और अच्छी सलाह न मानने की आदत ने चुनाव में कांग्रेस की करारी हार में बड़ी भूमिका निभाई थी। संजय ने कई काम ऐसे किए थे, जिनकी जानकारी उनकी मां को भी नहीं थी।

किताब में लिखा है कि एक बार परिवार की मीटिंग में राजीव ने संजय से नाराज़गी जताते हुए कहा था, "मैं तुम्हें माफ नहीं कर सकता, संजय। तुम्हारी वजह से मां को इस स्थिति में पहुंचना पड़ा।"

- **"गांधी परिवार बेहद अनुशासित था, हर काम समय पर होता था, शायद मेनका को यह पसंद नहीं था।"**
- **सोनिया ने बताया कि संजय से भी मेनका का बहुत झगड़ा होता था, पर, जब संजय उन्हें राजनैतिक कार्यक्रमों में ले जाने लगे तो स्थिति बेहतर हुई।**
- **सोनिया ने बताया कि मेनका की वजह से राजीव और संजय में भी तनाव बढ़ गया था, मेनका अक्सर संजय को मनमानी के लिए उकसाती थीं। आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने कई मनमाने फैसले किए थे।**
- **सोनिया ने बताया कि संजय की मौत के बाद मेनका राजनीति में आना चाहती थीं, पर, इंदिरा गांधी ने यह कह कर इंकार कर दिया कि मेनका अभी मात्र 23 साल की हैं और अनुभवहीन हैं।**
- **मेनका की परिवार से नाराज़गी इतनी बढ़ गई थी कि उन्होंने बेटे का पहला जन्मदिन वसुंधरा राजे के घर मनाया था।**
- **सोनिया ने दावा किया कि मेनका ने घर छोड़ने की तैयारी बहुत पहले से शुरु कर दी थी। इसके बारे में उन्होंने एक पत्रकार को भी बता दिया था, पर, जब मेनका घर से गईं तो उन्होंने एक पत्र लिखा और सभी पर आरोप लगाए थे।**

सोनिया लिखती हैं, "मेरी सास, जो परेशान और व्यथित थीं, ने राजीव की बात का समर्थन करते हुए कहा, 'राजीव ने जो कहा, वह सही है। संजय! तुमने कितनी ही बार मेरी जानकारी के बिना आदेश दिए।"

इस पर मेनका ने बीच में हस्तक्षेप किया। इंदिरा गांधी ने ऊंची आवाज में उन्हें चुनौती दी कि वे इस बात से इनकार करके दिखाएं। मेनका तुरंत ही चुप हो गईं, लेकिन परिवार के प्रति उनकी नाराजगी और बढ़ गई।

सोनिया के अनुसार, मेनका के कटाक्ष लगातार परेशानी का कारण बनने लगे थे।

वे लिखती हैं, "मेनका की नज़र में हम दुश्मन थे। जिन पत्रकारों से उनका संपर्क था, उनके जरिए वे हमारे बारे में तरह-तरह की बातें फैलाती थीं। इनमें सबसे ज्यादा चुभने वाली बात यह झूठी खबर थी कि चुनाव हारने के बाद राजीव और मैंने देश छोड़कर भागने की योजना बनाई थी।"

23 जून 1980 को विमान दुर्घटना में संजय गांधी की मौत के बाद हालात और बिगड़ गए।

सोनिया गांधी के मुताबिक, माना जाता था कि मेनका की मां पार्टी में संजय के समर्थकों को मेनका के लिए राजनीतिक पद की मांग करने के लिए उकसा रही थीं।

लेकिन इंदिरा गांधी का मानना था कि मेनका अभी मात्र 23 साल की हैं और बहुत कम उम्र की और अनुभवहीन है, उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा उनका तीन महीने का बच्चा था और उन्हें उसकी देखभाल के लिए उसके साथ रहना चाहिए था। इंदिरा गांधी चाहती थीं कि मेनका धैर्य रखें, क्योंकि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए उनके पास आगे काफी समय था। लेकिन जल्द ही स्पष्ट हो गया कि मेनका की निगाहें कहीं और थीं।

मार्च 1981 में हालात और बिगड़ गए। मेनका ने अपने बेटे फिरोज़ वरुण गांधी का पहला जन्मदिन वसुंधरा राजे के घर पर मनाया। वसुंधरा राजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कट्टर समर्थक और इंदिरा गांधी की राजनीतिक विरोधी थीं।

इसके बाद मेनका ने घर से अपना सामान बाहर ले जाना शुरू कर दिया। उस समय उनकी सास इंदिरा गांधी लंदन में थीं। लौटने पर इंदिरा गांधी ने इस पर नाराजगी जताई और मेनका से साफ कह दिया कि उन्हें फैसला करना होगा-"या तो यह सब करना बंद करें या फिर वे कहीं और जाकर रहें।"

सोनिया लिखती हैं कि मेनका ने इसके बाद एक पत्र लिखकर अनगिनत आरोप लगाए, जिनका मकसद जाहिर तौर पर अपनी सास की छवि को नुकसान पहुंचाना था। यह स्पष्ट हो गया था कि वे ऐसा विवाद खड़ा करना चाहती थीं, जिसके बाद घर छोड़ने का दोष सार्वजनिक रूप से इंदिरा गांधी पर मढ़ा जा सके। उन्होंने कई सप्ताह पहले ही अपनी इस योजना के बारे में एक पत्रकार मित्र को बता दिया था।

मेनका के घर छोड़ने के समय हुए विवाद के दौरान, राजीव और सोनिया गांधी घर पर मौजूद नहीं थे। इसके बावजूद, इस पूरे घटनाक्रम का दोष उन दोनों पर भी मढ़ा गया।

'प्र.मंत्री मोदी नज़र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचारधाराओं के नेता भी एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते थे।"

वे आगे कहती हैं, "इस तरह की संक्षिप्त मुलाकातों के अलावा, हमारी कभी वास्तव में बातचीत नहीं हुई। हालांकि, वर्षों से हम एक-दूसरे को औपचारिक रूप से जन्मदिन और नववर्ष की शुभकामनाएं देते रहे हैं।"

सोनिया गांधी स्वीकार करती हैं कि दोनों की वैचारिक दुनिया अलग-अलग है और देश को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की सोच उनसे बहुत भिन्न है।

किताब के मुताबिक, जब भी सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती रहने के बाद सार्वजनिक जीवन में लौटती हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी उनसे पूछते हैं, "ठीक हैं आप?" इस पर सोनिया जवाब देती हैं, "जी, अब मैं ठीक हूं, शुक्रिया।"

सोनिया गांधी का दावा है कि प्रधानमंत्री मोदी की भारत संबंधी सोच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारकों ने गढ़ी है। उनके मुताबिक, इससे उनके विचारों में एक तरह का "कट्टरपंथ" मजबूत हुआ है। इसके विपरीत, सोनिया कहती हैं कि उनकी अपनी सोच परिवार के सदस्यों से मिली है, जो सभी के लिए स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों पर आधारित थी।

- **हालांकि, सोनिया ने यह भी कहा, जब भी वे अस्पताल में भर्ती होने के बाद लौटती हैं तो प्र.मंत्री मोदी उनसे पूछते हैं, "ठीक हैं आप", इस पर वे जवाब देती हैं, "जी अब मैं ठीक हूँ, शुक्रिया"**

यमुना में शुरु हुआ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लोक निर्माण और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, वन एवं पर्यावरण और उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा तथा सांसद मनोज तिवारी मौजूद रहे।

सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की नदियां और अंतर्देशीय जलमार्ग आर्थिक विकास, पर्यटन और टिकाऊ संपर्क के महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। यमुना पर क्रूज सेवा की शुरुआत दिल्ली में नदी पर्यटन की नई लहर का संकेत है। सरकार नदियों की क्षमता का उपयोग पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कर रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908